



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-04-2025

हाथरस(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-04-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-04-18	2025-04-19	2025-04-20	2025-04-21	2025-04-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	42.0	42.0	41.0	41.0	40.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	27.0	27.0	25.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	51	46	46	45	46
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	27	25	23	22	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	5	1	3	10
पवन दिशा (डिग्री)	138	144	225	302	312
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	3	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 41.0-43.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 24.0-27.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 38-49 और 21-27% के बीच है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 3.0-11.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, तथा हवा के झोंके सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 41.0-43.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 24.0-27.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 38-49 और 21-27% के बीच है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 3.0-11.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, तथा हवा के झोंके सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 41.0-43.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 24.0-27.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 38-49 और 21-27% के बीच है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 3.0-11.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, तथा हवा के झोंके सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल, 2025 में गर्म रात्रि की चेतावनी है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल, 2025 में गर्म रात्रि की चेतावनी है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल, 2025 में गर्म रात्रि की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि पकी हुई फसल की कटाई एवं मड़ाई शीघ्र पूरा करें, कटी हुई फसल का बंडल बना लें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।
किसानों को सलाह दी जाती है कि पकी हुई फसल की कटाई एवं मड़ाई शीघ्र पूरा करें, कटी हुई फसल का बंडल बना लें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।
किसानों को सलाह दी जाती है कि पकी हुई फसल की कटाई एवं मड़ाई शीघ्र पूरा करें, कटी हुई फसल का बंडल बना लें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ के फसल की कटाई के पश्चात बण्डल अवश्य बांधें ताकि तेज हवाओं की वजह से लॉक उड़ न सके तथा थ्रेशिंग का कार्य सायंकाल व रात्रि के समय हवा शांत होने पर करें। भंडारण के लिए गेहूँ को कड़ी धूप में इतना सुखाना चाहिए कि उसमें से नमी का मात्रा 8 -10% से अधिक न रहे। भंडारण से पूर्व कुठले या भण्डार घर को कीटनाशी से विसंक्रमित कर ले।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में सिंचाई/उर्वरक /कीटनाशी /रोगनाशी का कार्य छिड़काव स्थगित रखें साथ ही अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मक्के की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। मक्के की फसल में तना बेधक /प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। उर्द की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मूँग	जायद मूँग की संस्तुति जातियां- नरेन्द्र मूँग -1, सम्राट (पी.डी.एम.-139), स्वेता आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। जायद मूँग के फसल की बुवाई के लिए 20-25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई का कार्य पूर्ण करें।
गेहूँ	गेहूँ के फसल की कटाई के पश्चात बण्डल अवश्य बांधे ताकि तेज हवाओं की वजह से लॉक उड़ न सके तथा थ्रेशिंग का कार्य सायंकाल व रात्रि के समय हवा शांत होने पर करें। भंडारण के लिए गेहूँ को कड़ी धूप में इतना सुखाना चाहिए कि उसमें से नमी का मात्रा 8 -10% से अधिक न रहे। भंडारण से पूर्व कुठले या भण्डार घर को कीटनाशी से विसंक्रमित कर ले।
मक्का	वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में सिंचाई/उर्वरक /कीटनाशी /रोगनाशी का कार्य छिड़काव स्थगित रखें साथ ही अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मक्के की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। मक्के की फसल में तना बेधक /प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। उर्द की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मूँग	जायद मूँग की संस्तुति जातियां- नरेन्द्र मूँग -1, सम्राट (पी.डी.एम.-139), स्वेता आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। जायद मूँग के फसल की बुवाई के लिए 20-25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई का कार्य पूर्ण करें।
गेहूँ	गेहूँ के फसल की कटाई के पश्चात बण्डल अवश्य बांधे ताकि तेज हवाओं की वजह से लॉक उड़ न सके तथा थ्रेशिंग का कार्य सायंकाल व रात्रि के समय हवा शांत होने पर करें। भंडारण के लिए गेहूँ को कड़ी धूप में इतना सुखाना चाहिए कि उसमें से नमी का मात्रा 8 -10% से अधिक न रहे। भंडारण से पूर्व कुठले या भण्डार घर को कीटनाशी से विसंक्रमित कर ले।
मक्का	वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में सिंचाई/उर्वरक /कीटनाशी /रोगनाशी का कार्य छिड़काव स्थगित रखें साथ ही अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मक्के की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। मक्के की फसल में तना बेधक /प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। उर्द की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मूँग	जायद मूँग की संस्तुति जातियां- नरेन्द्र मूँग -1, सम्राट (पी.डी.एम.-139), स्वेता आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें। जायद मूँग के फसल की बुवाई के लिए 20-25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई का कार्य पूर्ण करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	ग्रीष्म कालीन मौसम में रोपी/बोई गई सब्जियों में सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें। प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का प्रकोप दिखाई देने की सम्भावना है, अतः इसके रोकथाम हेतु मिथाइल -ओ -डिमेटान 25% ई.सी. 1.5 लीटर /हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
प्याज	ग्रीष्म कालीन मौसम में रोपी/बोई गई सब्जियों में सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें। प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का प्रकोप दिखाई देने की सम्भावना है, अतः इसके रोकथाम हेतु मिथाइल -ओ -डिमेटान 25% ई.सी. 1.5 लीटर /हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
आम	आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
प्याज	ग्रीष्म कालीन मौसम में रोपी/बोई गई सब्जियों में सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें। प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का प्रकोप दिखाई देने की सम्भावना है, अतः इसके रोकथाम हेतु मिथाइल -ओ -डिमेटान 25% ई.सी. 1.5 लीटर /हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
आम	आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	पशुओं को पेट में कीड़े की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर या पेड़ की छाया में बांधें। पशुओं को हरा चारा तथा आसानी से पचने वाला खनिज मिश्रण और नमक खिलायें। पशुओं को स्वच्छ साफ एवं ठण्डा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए न छोड़ें। पशुओं को सुबह शाम नहलायें।
भैंस	पशुओं को पेट में कीड़े की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर या पेड़ की छाया में बांधें। पशुओं को हरा चारा तथा आसानी से पचने वाला खनिज मिश्रण और नमक खिलायें। पशुओं को स्वच्छ साफ एवं ठण्डा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए न छोड़ें। पशुओं को सुबह शाम नहलायें।
भैंस	पशुओं को पेट में कीड़े की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर या पेड़ की छाया में बांधें। पशुओं को हरा चारा तथा आसानी से पचने वाला खनिज मिश्रण और नमक खिलायें। पशुओं को स्वच्छ साफ एवं ठण्डा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए न छोड़ें। पशुओं को सुबह शाम नहलायें।

मुरगी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु मुर्गी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गी हाउस का तापमान कम करने के लिए शेड की छत को पुवाल से ढक दें।
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु मुर्गी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गी हाउस का तापमान कम करने के लिए शेड की छत को पुवाल से ढक दें।
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु मुर्गी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गी हाउस का तापमान कम करने के लिए शेड की छत को पुवाल से ढक दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल, 2025 में गर्म रात्रि की चेतावनी है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल, 2025 में गर्म रात्रि की चेतावनी है।
भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल, 2025 में गर्म रात्रि की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।

Farmers are advised to download Unified  and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightning.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>